www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

1936
सत्य • सार्थक • सदैव

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार
15 मार्च 2023, नोएडा, नगर संस्करण

● पांच प्रदेश ● 21 संस्करण

गावस्कर ने कहा, हार्दिक पंड्या 2023 विश्व कप के बाद कप्तान बन सकते हैं

जेवर एयरपोर्ट से रोजाना 273 विमानों का आवागमन होगा

जेवर एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर से सबसे पहले घरेलू उड़ानें शुरू होंगी। शुरुआती दौर में रोजाना 273 विमानों (मूवमेंट) का आवागमन होगा। जनवरी में ट्रायल रन और सितंबर में एयरपोर्ट को शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण का निर्माण कार्य 1334 हेक्टेयर जमीन में चल रहा है। सरकार के साथ अनुबंध के मुताबिक, अगले साल सितंबर में एयरपोर्ट का संचालन शुरू किया जाना है। संचालन से पहले ट्रायल रन शुरू होगा। सरकार तय समय से पहले संचालन करना चाहती है। इसके लिए यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी प्रयास कर रही है।

कंपनी ने टाटा प्रोजेक्ट को इसका काम दिया है। पिछले साल जून में काम शुरू हुआ था। वर्तमान में 2600 कर्मचारी 400 मशीनों के साथ काम कर रहे हैं। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्लमैन ने कहा कि यह एयरपोर्ट यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक रहेगा। देश का यह पहला एयरपोर्ट होगा, जो पूरी तरह से डिजिटल होगा।

2600 कर्मचारी 400 मशीनों के साथ इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण में जुटे

1334 हेक्टेयर जमीन में पहले चरण का निर्माण कार्य चल रहा

जेवर में मंगलवार को एयरपोर्ट की इमारत का काम करते श्रमिक। ● हिन्दुस्तान

शुरुआत में 28 एयर ट्रैफिक स्टैंड बनेंगे

जानकारी के अनुसार जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण में दो रनवे बनाए जाने हैं। शुरुआत एक रनवे से होगी। इसकी क्षमता सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की रहेगी। श्लमैन ने बताया कि यहां से शुरुआती साल में एक लाख फ्लाइट का आवागमन रहेगा। इसमें यात्री विमान, हेलीकाप्टर, चॉपर, कार्गो विमान आदि शामिल हैं। इस हिसाब से यहां रोजाना 273 फ्लाइट का आवागमन होगा। इसके लिए शुरुआत में 28 एयर ट्रैफिक स्टैंड बनाए जाएंगे। इनकी संख्या 186 तक की जाएगी। इस चरण में एयरपोर्ट की 2.5 लाख टन की कार्गो की क्षमता होगी।

दिसंबर तक काम पूरा होने की उम्मीद

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्लमैन ने बताया कि एयरपोर्ट का ट्रायल रन शुरू करने से पहले टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी और रनवे को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को सौंपा जाएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया मशीनरी आदि लगाएगी। इसके बाद ट्रायल शुरू होगा। इससे उम्मीद है कि इस साल दिसंबर तक टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी और रनवे का काम पूरा हो जाएगा।

› संबंधित खबर पेज 02